

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ



፳፻፲፭ የሆነ ተስፋዎች

مـوـرـقـوـسـتـرـنـ، مـهـمـوـرـمـهـجـ

(IUL)389/389/2023/24 : سرسری

۲۷۸

د ٤٣:	ج ٢٧:	ج ٢٨:
د ٤٤:	ج ٢٩:	ج ٣٠:
د ٤٥:	ج ٣١:	ج ٣٢:
د ٤٦:	ج ٣٣:	ج ٣٤:
د ٤٧:	ج ٣٥:	ج ٣٦:
د ٤٨:	ج ٣٧:	ج ٣٨:
د ٤٩:	ج ٣٩:	ج ٤٠:
د ٥٠:	ج ٤١:	ج ٤٢:
د ٥١:	ج ٤٣:	ج ٤٤:
د ٥٢:	ج ٤٥:	ج ٤٦:
د ٥٣:	ج ٤٧:	ج ٤٨:
د ٥٤:	ج ٤٩:	ج ٥٠:
د ٥٥:	ج ٥١:	ج ٥٢:
د ٥٦:	ج ٥٣:	ج ٥٤:
د ٥٧:	ج ٥٥:	ج ٥٦:
د ٥٨:	ج ٥٧:	ج ٥٨:
د ٥٩:	ج ٥٩:	ج ٦٠:
د ٦٠:	ج ٦١:	ج ٦٢:
د ٦١:	ج ٦٣:	ج ٦٤:
د ٦٢:	ج ٦٥:	ج ٦٦:
د ٦٣:	ج ٦٧:	ج ٦٨:
د ٦٤:	ج ٦٩:	ج ٦٩:
د ٦٥:	ج ٧١:	ج ٧٢:
د ٦٦:	ج ٧٣:	ج ٧٣:
د ٦٧:	ج ٧٥:	ج ٧٥:
د ٦٨:	ج ٧٧:	ج ٧٧:
د ٦٩:	ج ٧٩:	ج ٧٩:
د ٦١٠:	ج ٨١:	ج ٨١:
د ٦١١:	ج ٨٣:	ج ٨٣:
د ٦١٢:	ج ٨٥:	ج ٨٥:
د ٦١٣:	ج ٨٧:	ج ٨٧:
د ٦١٤:	ج ٨٩:	ج ٨٩:
د ٦١٥:	ج ٩١:	ج ٩١:
د ٦١٦:	ج ٩٣:	ج ٩٣:
د ٦١٧:	ج ٩٥:	ج ٩٥:
د ٦١٨:	ج ٩٧:	ج ٩٧:
د ٦١٩:	ج ٩٩:	ج ٩٩:
د ٦٢٠:	ج ١٠١:	ج ١٠١:
د ٦٢١:	ج ١٠٣:	ج ١٠٣:
د ٦٢٢:	ج ١٠٥:	ج ١٠٥:
د ٦٢٣:	ج ١٠٧:	ج ١٠٧:
د ٦٢٤:	ج ١٠٩:	ج ١٠٩:
د ٦٢٥:	ج ١١١:	ج ١١١:
د ٦٢٦:	ج ١١٣:	ج ١١٣:
د ٦٢٧:	ج ١١٥:	ج ١١٥:
د ٦٢٨:	ج ١١٧:	ج ١١٧:
د ٦٢٩:	ج ١١٩:	ج ١١٩:
د ٦٣٠:	ج ١٢١:	ج ١٢١:
د ٦٣١:	ج ١٢٣:	ج ١٢٣:
د ٦٣٢:	ج ١٢٥:	ج ١٢٥:
د ٦٣٣:	ج ١٢٧:	ج ١٢٧:
د ٦٣٤:	ج ١٢٩:	ج ١٢٩:
د ٦٣٥:	ج ١٣١:	ج ١٣١:
د ٦٣٦:	ج ١٣٣:	ج ١٣٣:
د ٦٣٧:	ج ١٣٥:	ج ١٣٥:
د ٦٣٨:	ج ١٣٧:	ج ١٣٧:
د ٦٣٩:	ج ١٣٩:	ج ١٣٩:
د ٦٤٠:	ج ١٤١:	ج ١٤١:
د ٦٤١:	ج ١٤٣:	ج ١٤٣:
د ٦٤٢:	ج ١٤٥:	ج ١٤٥:
د ٦٤٣:	ج ١٤٧:	ج ١٤٧:
د ٦٤٤:	ج ١٤٩:	ج ١٤٩:
د ٦٤٥:	ج ١٥١:	ج ١٥١:
د ٦٤٦:	ج ١٥٣:	ج ١٥٣:
د ٦٤٧:	ج ١٥٥:	ج ١٥٥:
د ٦٤٨:	ج ١٥٧:	ج ١٥٧:
د ٦٤٩:	ج ١٥٩:	ج ١٥٩:
د ٦٥٠:	ج ١٦١:	ج ١٦١:
د ٦٥١:	ج ١٦٣:	ج ١٦٣:
د ٦٥٢:	ج ١٦٥:	ج ١٦٥:
د ٦٥٣:	ج ١٦٧:	ج ١٦٧:
د ٦٥٤:	ج ١٦٩:	ج ١٦٩:
د ٦٥٥:	ج ١٧١:	ج ١٧١:
د ٦٥٦:	ج ١٧٣:	ج ١٧٣:
د ٦٥٧:	ج ١٧٥:	ج ١٧٥:
د ٦٥٨:	ج ١٧٧:	ج ١٧٧:
د ٦٥٩:	ج ١٧٩:	ج ١٧٩:
د ٦٦٠:	ج ١٨١:	ج ١٨١:
د ٦٦١:	ج ١٨٣:	ج ١٨٣:
د ٦٦٢:	ج ١٨٥:	ج ١٨٥:
د ٦٦٣:	ج ١٨٧:	ج ١٨٧:
د ٦٦٤:	ج ١٨٩:	ج ١٨٩:
د ٦٦٥:	ج ١٩١:	ج ١٩١:
د ٦٦٦:	ج ١٩٣:	ج ١٩٣:
د ٦٦٧:	ج ١٩٥:	ج ١٩٥:
د ٦٦٨:	ج ١٩٧:	ج ١٩٧:
د ٦٦٩:	ج ١٩٩:	ج ١٩٩:
د ٦٧٠:	ج ٢٠١:	ج ٢٠١:
د ٦٧١:	ج ٢٠٣:	ج ٢٠٣:
د ٦٧٢:	ج ٢٠٥:	ج ٢٠٥:
د ٦٧٣:	ج ٢٠٧:	ج ٢٠٧:
د ٦٧٤:	ج ٢٠٩:	ج ٢٠٩:
د ٦٧٥:	ج ٢١١:	ج ٢١١:
د ٦٧٦:	ج ٢١٣:	ج ٢١٣:
د ٦٧٧:	ج ٢١٥:	ج ٢١٥:
د ٦٧٨:	ج ٢١٧:	ج ٢١٧:
د ٦٧٩:	ج ٢١٩:	ج ٢١٩:
د ٦٨٠:	ج ٢٢١:	ج ٢٢١:
د ٦٨١:	ج ٢٢٣:	ج ٢٢٣:
د ٦٨٢:	ج ٢٢٥:	ج ٢٢٥:
د ٦٨٣:	ج ٢٢٧:	ج ٢٢٧:
د ٦٨٤:	ج ٢٢٩:	ج ٢٢٩:
د ٦٨٥:	ج ٢٣١:	ج ٢٣١:
د ٦٨٦:	ج ٢٣٣:	ج ٢٣٣:
د ٦٨٧:	ج ٢٣٥:	ج ٢٣٥:
د ٦٨٨:	ج ٢٣٧:	ج ٢٣٧:
د ٦٨٩:	ج ٢٣٩:	ج ٢٣٩:
د ٦٩٠:	ج ٢٤١:	ج ٢٤١:
د ٦٩١:	ج ٢٤٣:	ج ٢٤٣:
د ٦٩٢:	ج ٢٤٥:	ج ٢٤٥:
د ٦٩٣:	ج ٢٤٧:	ج ٢٤٧:
د ٦٩٤:	ج ٢٤٩:	ج ٢٤٩:
د ٦٩٥:	ج ٢٤١:	ج ٢٤١:
د ٦٩٦:	ج ٢٤٣:	ج ٢٤٣:
د ٦٩٧:	ج ٢٤٥:	ج ٢٤٥:
د ٦٩٨:	ج ٢٤٧:	ج ٢٤٧:
د ٦٩٩:	ج ٢٤٩:	ج ٢٤٩:
د ٦١٠٠:	ج ٢٥١:	ج ٢٥١:
د ٦١٠١:	ج ٢٥٣:	ج ٢٥٣:
د ٦١٠٢:	ج ٢٥٥:	ج ٢٥٥:
د ٦١٠٣:	ج ٢٥٧:	ج ٢٥٧:
د ٦١٠٤:	ج ٢٥٩:	ج ٢٥٩:
د ٦١٠٥:	ج ٢٦١:	ج ٢٦١:
د ٦١٠٦:	ج ٢٦٣:	ج ٢٦٣:
د ٦١٠٧:	ج ٢٦٥:	ج ٢٦٥:
د ٦١٠٨:	ج ٢٦٧:	ج ٢٦٧:
د ٦١٠٩:	ج ٢٦٩:	ج ٢٦٩:
د ٦١٠١٠:	ج ٢٧١:	ج ٢٧١:
د ٦١٠١١:	ج ٢٧٣:	ج ٢٧٣:
د ٦١٠١٢:	ج ٢٧٥:	ج ٢٧٥:
د ٦١٠١٣:	ج ٢٧٧:	ج ٢٧٧:
د ٦١٠١٤:	ج ٢٧٩:	ج ٢٧٩:
د ٦١٠١٥:	ج ٢٨١:	ج ٢٨١:
د ٦١٠١٦:	ج ٢٨٣:	ج ٢٨٣:
د ٦١٠١٧:	ج ٢٨٥:	ج ٢٨٥:
د ٦١٠١٨:	ج ٢٨٧:	ج ٢٨٧:
د ٦١٠١٩:	ج ٢٨٩:	ج ٢٨٩:
د ٦١٠٢٠:	ج ٢٩١:	ج ٢٩١:
د ٦١٠٢١:	ج ٢٩٣:	ج ٢٩٣:
د ٦١٠٢٢:	ج ٢٩٥:	ج ٢٩٥:
د ٦١٠٢٣:	ج ٢٩٧:	ج ٢٩٧:
د ٦١٠٢٤:	ج ٢٩٩:	ج ٢٩٩:
د ٦١٠٢٥:	ج ٢١٠١:	ج ٢١٠١:
د ٦١٠٢٦:	ج ٢١٠٣:	ج ٢١٠٣:
د ٦١٠٢٧:	ج ٢١٠٥:	ج ٢١٠٥:
د ٦١٠٢٨:	ج ٢١٠٧:	ج ٢١٠٧:
د ٦١٠٢٩:	ج ٢١٠٩:	ج ٢١٠٩:
د ٦١٠٣٠:	ج ٢١١١:	ج ٢١١١:
د ٦١٠٣١:	ج ٢١١٣:	ج ٢١١٣:
د ٦١٠٣٢:	ج ٢١١٥:	ج ٢١١٥:
د ٦١٠٣٣:	ج ٢١١٧:	ج ٢١١٧:
د ٦١٠٣٤:	ج ٢١١٩:	ج ٢١١٩:
د ٦١٠٣٥:	ج ٢١٢١:	ج ٢١٢١:
د ٦١٠٣٦:	ج ٢١٢٣:	ج ٢١٢٣:
د ٦١٠٣٧:	ج ٢١٢٥:	ج ٢١٢٥:
د ٦١٠٣٨:	ج ٢١٢٧:	ج ٢١٢٧:
د ٦١٠٣٩:	ج ٢١٢٩:	ج ٢١٢٩:
د ٦١٠٤٠:	ج ٢١٣١:	ج ٢١٣١:
د ٦١٠٤١:	ج ٢١٣٣:	ج ٢١٣٣:
د ٦١٠٤٢:	ج ٢١٣٥:	ج ٢١٣٥:
د ٦١٠٤٣:	ج ٢١٣٧:	ج ٢١٣٧:
د ٦١٠٤٤:	ج ٢١٣٩:	ج ٢١٣٩:
د ٦١٠٤٥:	ج ٢١٤١:	ج ٢١٤١:
د ٦١٠٤٦:	ج ٢١٤٣:	ج ٢١٤٣:
د ٦١٠٤٧:	ج ٢١٤٥:	ج ٢١٤٥:
د ٦١٠٤٨:	ج ٢١٤٧:	ج ٢١٤٧:
د ٦١٠٤٩:	ج ٢١٤٩:	ج ٢١٤٩:
د ٦١٠٥٠:	ج ٢١٥١:	ج ٢١٥١:
د ٦١٠٥١:	ج ٢١٥٣:	ج ٢١٥٣:
د ٦١٠٥٢:	ج ٢١٥٥:	ج ٢١٥٥:
د ٦١٠٥٣:	ج ٢١٥٧:	ج ٢١٥٧:
د ٦١٠٥٤:	ج ٢١٥٩:	ج ٢١٥٩:
د ٦١٠٥٥:	ج ٢١٦١:	ج ٢١٦١:
د ٦١٠٥٦:	ج ٢١٦٣:	ج ٢١٦٣:
د ٦١٠٥٧:	ج ٢١٦٥:	ج ٢١٦٥:
د ٦١٠٥٨:	ج ٢١٦٧:	ج ٢١٦٧:
د ٦١٠٥٩:	ج ٢١٦٩:	ج ٢١٦٩:
د ٦١٠٦٠:	ج ٢١٧١:	ج ٢١٧١:
د ٦١٠٦١:	ج ٢١٧٣:	ج ٢١٧٣:
د ٦١٠٦٢:	ج ٢١٧٥:	ج ٢١٧٥:
د ٦١٠٦٣:	ج ٢١٧٧:	ج ٢١٧٧:
د ٦١٠٦٤:	ج ٢١٧٩:	ج ٢١٧٩:
د ٦١٠٦٥:	ج ٢١٨١:	ج ٢١٨١:
د ٦١٠٦٦:	ج ٢١٨٣:	ج ٢١٨٣:
د ٦١٠٦٧:	ج ٢١٨٥:	ج ٢١٨٥:
د ٦١٠٦٨:	ج ٢١٨٧:	ج ٢١٨٧:
د ٦١٠٦٩:	ج ٢١٨٩:	ج ٢١٨٩:
د ٦١٠٧٠:	ج ٢١٩١:	ج ٢١٩١:
د ٦١٠٧١:	ج ٢١٩٣:	ج ٢١٩٣:
د ٦١٠٧٢:	ج ٢١٩٥:	ج ٢١٩٥:
د ٦١٠٧٣:	ج ٢١٩٧:	ج ٢١٩٧:
د ٦١٠٧٤:	ج ٢١٩٩:	ج ٢١٩٩:
د ٦١٠٧٥:	ج ٢٢٠١:	ج ٢٢٠١:
د ٦١٠٧٦:	ج ٢٢٠٣:	ج

٦. دَسْرَةَ الْمَوْدُوِّيَّةِ مَجْمَعَهُ اسْتَرْلَانْدُوْرُوْغُ دَسْرَهُ سَرْهُورُوْغُ دَسْرَهُ جَوْنِسْبُرْجُوْغُ دَسْرَهُ

(ر) سیوچهارمین قاعده که در آن مذکور شد، میگویند: «میتوانند از این قاعده خود را برداشته و باید از آنها استفاده ننمایند».

(س) مَدِينَةٌ نَّصْرَىٰ سَعِيْدَىٰ هَبَّةٌ مَّدِينَةٌ حَمِيمَىٰ وَهَبَّةٌ مَّدِينَةٌ سَعِيْدَىٰ وَهَبَّةٌ حَمِيمَىٰ
حَمِيمَىٰ وَهَبَّةٌ مَّدِينَةٌ حَمِيمَىٰ (أَنَّهُمْ كُلُّهُمْ مُّرْسَلُونَ مُّسَمَّدُوكُمْ)، حَمِيمَىٰ وَهَبَّةٌ دَسْتَرَةٌ مُّسَمَّدُوكُمْ (أَنَّهُمْ
مُّسَمَّدُوكُمْ كُلُّهُمْ مُّرْسَلُونَ مُّسَمَّدُوكُمْ)، حَمِيمَىٰ وَهَبَّةٌ كَوَافِرَةٌ مُّسَمَّدُوكُمْ كَوَافِرَةٌ مُّسَمَّدُوكُمْ
كَوَافِرَةٌ مُّسَمَّدُوكُمْ حَمِيمَىٰ وَهَبَّةٌ حَمِيمَىٰ وَهَبَّةٌ مَّدِينَةٌ سَعِيْدَىٰ وَهَبَّةٌ حَمِيمَىٰ وَهَبَّةٌ حَمِيمَىٰ.

30	وَسَمِعَ مُحَمَّدٌ رَّضِيَ اللَّهُ عَنْهُ
5	وَسَمِعَ مُحَمَّدٌ رَّضِيَ اللَّهُ عَنْهُ وَجَاءَهُ مُؤْمِنٌ
5	وَسَمِعَ مُحَمَّدٌ رَّضِيَ اللَّهُ عَنْهُ وَجَاءَهُ مُؤْمِنٌ
25	وَسَمِعَ مُحَمَّدٌ رَّضِيَ اللَّهُ عَنْهُ وَجَاءَهُ مُؤْمِنٌ
35	(وَجَاءَهُ مُؤْمِنٌ شَرِيكٌ لَّهُ مُؤْمِنٌ نَّاجِيٌّ)

وَيَقُولُونَ لِلْمُنْتَهَىٰ فَوْجَهُ
فَوْجَهُونَ لِلْمُنْتَهَىٰ مُؤْمِنُ

-1444 فروردین 29

•2023 ١٧

سُورَةِ مُرْجَعٍ

